

**कुचक्री** वि. (तत्.) षड्यंत्र रचनेवाला।

**कुचतटी** स्त्री. (तत्.) दे. स्तनाग्रभाग, स्तन का चढाव या ढलाव।

**कुचर** वि. (तत्.) 1. बुरे स्थानों में घूमनेवाला 2. नीच कर्म करनेवाला 3. परनिंदक 4. धीरे धीरे चलनेवाला 5. चोर।

**कुचरचा/कुचर्चा** स्त्री. (तद्/तत्.) अपवाद, अपकथन।

**कुचलना** स.क्रि. (तद्.) 1. मसलना 2. पैरों से रौंदना, पांव से दबाना मुहा. सिर कुचलना- पराजित करना, मान ध्वंस करना; कुचल देना- शक्तिहीन कर देना।

**कुचांशुक** पुं. (तत्.) स्तनों को बाँधने का कपड़ा, चोली।

**कुचाग्र** पुं. (तत्.) युवती के कुच का अगला भाग, चूचुक, चूची।

**कुचाल** स्त्री. (देश.) बुरा आचरण, खराब चाल-चलन, दुष्टता, पाजीपन, बदमाशी।

**कुचाली** वि. (देश.) 1. कुमार्गी 2. दुष्ट 3. धूर्त 4. छली, प्रपंची, शराबी।

**कुचियादांत** पुं. (देश.) वह दाँत जिससे आहार को कुचल-कुचल कर खाते हैं, डाढ़, चौसर।

**कुचुमार** पुं. (तत्.) कामशास्त्र के एक प्रधान आचार्य का नाम जिनका मत वात्स्यायन के कामशास्त्र में उद्धृत है।

**कुचेल** पुं. (तत्.) 1. मैला कपड़ा वि. 1. मैला कपड़ा पहननेवाला 2. मैला, मलिन।

**कुचेष्ट** वि. (तत्.) बुरी चेष्टा वाला।

**कुचेष्टा** स्त्री. (तत्.) 1. बुरी चेष्टा, कुप्रयत्न बुरी चाल 2. चेहरे का बुरा भाव।

**कुचैन** स्त्री. (तद्.) 1. कष्ट 2. व्याकुलता।

**कुचैल** वि. (तत्.) फटा, पुराना, मैला वस्त्र।

**कुचैला** वि. (तत्.) 1. जिसका कपड़ा मैला हो 2. मैला, गंदा।

**कुच्ची** पुं. (फा.) मिट्टी का लंबा बरतन जिससे तेली तेल नापते हैं।

**कुछ** वि. (देश.) थोड़ी मात्रा या संख्या का, जरा, थोड़ा जैसे- उसके पास कुछ वस्तुएँ ऐसी थीं जो बहुत सुंदर थी मुहा. कुछ एक- थोड़ा सा, कुछ ऐसा-विलक्षण; कुछ कुछ- थोड़ा; कुछ न कुछ- थोड़ा-बहुत; कितना कुछ- बहुत अधिक -कुछ का कुछ- और का और, विपरीत जैसे- तुम तो कुछ का कुछ कर देते हो; कुछ से कुछ होना- भारी उलट फेर होना; कुछ कह बैठना- कड़ी बात कह देना जैसे- बोलो मत, गुस्से से वह कुछ कह बैठेगा तो पछताओगे; कुछ कहना- कड़ी बात कहना, कुछ सुनोगे या सुनने पर लगे हो जैसे- बिना कुछ कहे सुने तुम जाओगे नहीं; कुछ खा लेना- जहर खा लेना; कुछ खा कर मर जाना- विष खाकर मर जाना; कुछ कर देना- जादू टोना कर देना; कुछ हो जाना- कोई रोग या प्रेत लगना; कुछ भी हो- 1. चाहे जो हो; 2. कोई बड़ी बात, कोई अच्छी बात 3. कोई सार वस्तु, कोई कल की चीज मुहा. कुछ न रहना- इज्जत न रहना; कुछ लगाना- (अपने को) बड़ा समझना; कुछ हो जाना- किसी योग्य हो जाना।

**कुज** पुं. (तत्.) 1. मंगल ग्रह 2. वृक्ष, पेड़ 3. नरकासुर का नाम, जो पृथ्वी का पुत्र माना जाता है वि. (मंगल के समान) लाल रंग का।

**कुजन** पुं. (तत्.) बुरा व्यक्ति, दुर्जन।

**कुजन्मा** वि. (तत्.) 1. नीच से उत्पन्न, अकुलीन 2. पृथ्वी से उत्पन्न।

**कुजा** स्त्री. (तत्.) 1. सीता 2. कात्यायनी का एक नाम।

**कुजात** स्त्री. (तत्.) दे. कुजाति।

**कुजाति** स्त्री. (तत्.) नीच जाति पुं. 1. बुरी जाति का आदमी, नीच पुरुष 2. पतित या अधम पुरुष।

**कुज्जा** पुं. (फा.) 1. मिट्टी का प्याला, पुरवा 2. मिट्टी के प्याले में जमाई गई मिश्री की गोल डली।

**कुज्झटिका** स्त्री. (तत्.) कुहरा, कुहेलिका।